अनुक्रमांक .....
नाम .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

901

2026
हिन्दी
(केवल प्रश्नपत्र)

801(FD)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

ii) यह प्रश्नपत्र दो खण्डों, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड – ब** में विभक्त है।

iii) **खण्ड – अ** में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट कलम से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें।

iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात् उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा व्हाइटनर का प्रयोग न करें।

v) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

vi) **खण्ड – ब** में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।

viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

UPBoardHub

खण्ड – 'अ'
बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

1. **'बादल की मृत्यु' नाटक किसका है ?**
(A) जयशंकर प्रसाद (B) प्रेमचंद (C) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' (D) रामकुमार वर्मा

2. **जयशंकर प्रसाद के नाटक हैं**
(i) चन्द्रगुप्त (ii) स्कंदगुप्त
(iii) सिंदूर की होली (iv) अजातशत्रु
(A) (i), (ii) एवं (iii) (B) (i), (ii) एवं (iv) (C) (ii), (iii) एवं (iv) (D) (i), (iii) एवं (iv)

3. **'तंत्रालोक से यंत्रालोक तक' कृति की विधा है**
(A) यात्रा-साहित्य (B) नाटक (C) उपन्यास (D) कहानी

4. **'अतीत के चलचित्र' किसकी रचना है ?**
(A) जयशंकर प्रसाद (B) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(C) महादेवी वर्मा (D) सुमित्रानंदन पंत

5. **'मेरी आत्मकहानी' किसकी आत्मकथा है ?**
(A) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' (B) डॉ० श्यामसुन्दर दास
(C) देवराज उपाध्याय (D) हरिवंश राय 'बच्चन'

6. **कवि एवं उनकी रचनाओं के पूर्णतः सही मिलान वाले विकल्प का चयन कीजिए :**
(i) केशव 1. शिबा बावनी
(ii) देव 2. भाव विलास
(iii) भूषण 3. रामचंद्रिका
(iv) मतिराम 4. रसराज

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(A)	3	2	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	2	1
(D)	3	2	1	4

7. **निम्नलिखित में से कौन-सा कवि रीतिकाल के अंतर्गत 'वीर रस' का कवि नहीं है ?**
(A) बिहारीलाल (B) भूषण (C) लाल कवि (D) सूदन

8. **'राम की शक्तिपूजा' किसकी रचना है ?**
(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (D) महादेवी वर्मा

UPBoardHub

9. **'गीत फरोश' काव्य-संग्रह किसका है ?**
(A) गिरिजाकुमार माथुर (B) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) भवानीप्रसाद मिश्र (D) रामविलास शर्मा

10. **'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है**
(A) 1943 ई० (B) 1951 ई० (C) 1959 ई० (D) 1979 ई०

11. **'हास' किस रस का स्थायी भाव है ?**
(A) हास्य (B) करुण (C) शांत (D) शृंगार

12. **मुख चपला-सा दुख-घन में ।**
उलझा है चंचल मन-कुरंग ।
उपर्युक्त पंक्तियों के रेखांकित अंश में कौन-सा अलंकार है ?
(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा (C) यमक (D) रूपक

13. **'दोहा' किस प्रकार का मात्रिक छंद है ?**
(A) सम (B) अर्धसम (C) विषम (D) इनमें से कोई नहीं

14. **'अभ्यागत' में प्रयुक्त उपसर्ग है**
(A) अभ्य (B) अभ् (C) अभ्या (D) अभि

15. **'कृष्णसर्प' में कौन-सा समास है ?**
(A) कर्मधारय समास (B) द्वन्द्व समास (C) द्विगु समास (D) तत्पुरुष समास

16. **'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द नहीं है**
(A) जलधि (B) पारावार (C) जलद (D) नीरनिधि

17. **'तद्' (स्त्रीलिंग) सर्वनाम शब्द का तृतीया विभक्ति, बहुवचन में रूप होगा**
(A) तया (B) ताभिः (C) तस्यै (D) तयोः

18. **"आपकी यात्रा मंगलमय हो।" अर्थ के आधार पर किस प्रकार का वाक्य है ?**
(A) संकेतार्थक वाक्य (B) विस्मयादिबोधक वाक्य
(C) आज्ञार्थक वाक्य (D) इच्छार्थक वाक्य

19. **"वह शांत नहीं रहता है।" इसका भाव वाच्य में परिवर्तन होगा**
(A) वह शांत रह लेगा। (B) उससे शांत नहीं रहा जाता है।
(C) उसके द्वारा शांत रह लिया जाएगा। (D) वह शांत रह सकता है।

20. **"हम अपने देश पर मर मिटेंगे।"**
वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है
(A) संज्ञा (B) क्रिया (C) सर्वनाम (D) क्रिया-विशेषण

UPBoardHub

खण्ड – 'ब'
वर्णनात्मक प्रश्न

1. **निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $3 \times 2 = 6$

हमारी सारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा-तत्त्व पर स्थापित रहा है। जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है। अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या नाम स्वार्थ, जो बहुत करके भोग के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग से ही निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है–**'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा'**। इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज के बीच का विरोध देश और देश के बीच के विरोध को मिटाना चाहते हैं। हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओत-प्रोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) हमारी संस्कृति का मूलाधार किसे बताया गया है ?
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मानव-मन सदा से ही अज्ञात के रहस्यों को खोलने और जानने-समझने को उत्सुक रहा है। जहाँ तक वह नहीं पहुँच सकता था, वहाँ वह कल्पना के पंखों पर उड़कर पहुँचा। उसकी अनगढ़ और अविश्वसनीय कथाएँ उसे सत्य के निकट पहुँचाने में प्रेरणा-शक्ति का काम करती रहीं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) मानव-मन सदैव किसके लिए उत्सुक रहा है ?
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

2. **निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $3 \times 2 = 6$

अबिगत-गति कछु कहत न आवै।
ज्यों गूँगे मीठे फल को रस, अंतरगत ही भावै।
परम स्वाद सबही सु निरंतर, अमित तोष उपजावै।
मन-बानी कौ अगम-अगोचर, सो जाने जो पावै।
रूप-रेख-गुन-जाति-जुगति-बिनु, निरालंब कित धावै।
सब विधि अगम विचारहि तातें, सूर सगुन-पद गावै।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) 'अगम-अगोचर' से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

UPBoardHub

चढ़ चेतक पर तलवार उठा,
रखता था भूतल पानी को।
राणा प्रताप सिर काट-काट,
करता था सफल जवानी को ॥
सेना-नायक राणा के भी,
रण देख देखकर चाह भरे।
मेवाड़ सिपाही लड़ते थे,
दूने तिगुने उत्साह भरे ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) उपर्युक्त पद्यांश में कौन-सा रस है ?

3. **नीचे दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** 2 + 3 = 5

'विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव' इति भारतीय-संस्कृतेः मूलम्। विविधमतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकम् एव ईश्वरं भजन्ते। अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः, करीमः, रामः, रहीमः, जिनः, बुद्धः, खिस्तः, अल्लाहः इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्माः सन्ति। तम् एव ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यपि मन्यन्ते। अतः सर्वेषां मतानां समभावः सम्मानश्च अस्माकं संस्कृतेः सन्देशः।

अथवा

आम् राष्ट्रदद्रोहः यवनराज ! एकम् इदं भारतं राष्ट्रम्, बहूनि चात्र राज्यानि, बहवश्च शासकाः। त्वं मैत्रीसन्धिना तान् विभज्य भारतं जेतुम् इच्छसि। आम्भीकः चास्य प्रत्यक्षं प्रमाणम्।

UPBoardHub

4. **निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** 2 + 3 = 5

क्षीर-नीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः ॥

अथवा

बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः।
उभयत्र समो वीरः वीरभावो ही वीरता ॥

5. **अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक खण्ड के किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :** 1 + 2 = 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक महात्मा गांधी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक कौन हैं ? उनका चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ग) (i) 'मेवाड़-मुकुट' के 'लक्ष्मी' सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का उल्लेख करते हुए उनकी चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आयोजन सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक कौन हैं ? उनका चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर 'बलिदान सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग (राजभवन) की कथा संक्षेप में लिखिए।

(झ) (i) 'तुलसीदास' / 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

UPBoardHub

6. **(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80)** 3 + 2 = 5

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) भगवतशरण उपाध्याय

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iv) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80) 3 + 2 = 5

(i) तुलसीदास (ii) बिहारीलाल

(iii) महादेवी वर्मा (iv) अशोक वाजपेयी।

7. **अपनी पाठ्यपुस्तक के संस्कृत खण्ड की पाठ्यवस्तु से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो।** 2

8. **नगर में बढ़ती भीड़-भाड़ के कारण परिवहन की जटिल समस्या को हल करने के लिए सड़कों को और अधिक चौड़ा किये जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने जिले के जिलाधिकारी महोदय को पत्र लिखिए।** 4

अथवा

अपने विद्यालय में खेल का सामान मँगवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

UPBoardHub

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :** **1 + 1 = 2**

(i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?
(ii) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?
(iii) ग्रामीणस्य प्रहेलिकायाः किम् उत्तरम् आसीत् ?
(iv) विद्या केन वर्धते ?

10. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 200)** **1 × 7 = 7**

(i) सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा
(ii) "वृक्ष धरा का भूषण है।"
(iii) बेरोजगारी : समस्या और समाधान
(iv) विज्ञापन और हमारा जीवन
(v) मेरा प्रिय साहित्यकार।

UPBoardHub